<u>प्रेस विज्ञप्ति के लिए बिंदु</u>

<u>ति4'21/विव'21 परिणाम - 15 जून 2021</u>

<u>एकल</u>

- ₹8,444 करोड़ का उच्चतम वार्षिक पीएटी रिकॉर्ड
- वि.व.'20 से कर पश्चात स्टैंडअलोन लाभ में 49% उछाल । वि.व.'20 में पीएटी ₹5,655 करोड़ के निमित्त वि.व.'21 में ₹8,444 करोड़
- वि.व.'20 से निवल ब्याज आय में 28% वृद्धि- वि.व.'20 में निवल ब्याज आय ₹10,097 करोड़ के निमित्त वि.व.'21 में ₹12,951 करोड़
- प्रति शेयर ₹2 का लाभांश घोषित । इसीलिए, वि.व. 21 में, पीएफसी ने ₹10 प्रति शेयर अर्थात 100% कुल लाभांश दिया है।
- लाभ वृद्धि से सहायता प्राप्त, वि. व. 21 के लिए पीएफसी का नेट वर्थ 16% बढ़कर ₹52,393 करोड़ हो गया और पचास हजार का आंकड़ा पार कर गया।
- वि.व. 21 में 25% दबावग्रस्त बही का समाधान :
- सकल एनपीए अनुपात में वि.व.'20 से 238 बीपीएस की कमी देखी गई । वर्तमान जीएनपीए अनुपात वि.व.'20 में 8.08% के मुकाबले 5.70% पर है।
- पिछले 4 वर्षों में सबसे कम निवल एनपीए स्तर। निवल एनपीए अनुपात में वि.व.'20 से 171 बीपीएस की कमी देखी गई। वि.व.20 में 3.80% के मुकाबले वर्तमान निवल एनपीए अनुपात 2.09% है।
- 31 मार्च 2021 को कंपनी का पूंजी पर्याप्तता अनुपात भी क्रमिक रूप से बढ़कर 18.83% हो गया है। पूंजी पर्याप्तता निर्धारित नियामक सीमाओं से बढ़कर पर्याप्त कुशन के साथ बेहतर स्तर पर है।

<u>समेकित</u>

वि.व.'21 बनाम वि.व.'20

- वि.व.'20 से समेकित कर पश्चात लाभ में 66% की वृद्धि - वि.व.'20 के लिए ₹9,477 करोड़ की तुलना में वि.व.'21 के लिए ₹15,716 करोड़ पर पीएटी।
- ऋण परिसंपत्ति बही में 12% की वृद्धि - वि.व.'20 में ₹6,67,330 करोड़ की तुलना में वि.व.'21 में ₹7,45,189 करोड़ पर ऋण परिसंपत्ति बही ।
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के परिणामस्वरूप समेकित निवल एनपीए अनुपात वि.व.2020 में 3.57% से घटकर वि.व.21 में 1.91% हो गया।
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के परिणामस्वरूप समेकित सकल एनपीए अनुपात वि.व.2020 में 7.36% से घटकर वि.व.21 में 5.29% हो गया।

- **<u>आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत डिस्कॉम को लिक्विडिटी सहायता</u>**

- भारत सरकार, पीएफसी और इसकी सहायक कंपनी आरईसी द्वारा संयुक्त रूप से घोषित आत्मनिर्भर डिस्कॉम्स लिक्विडिटी सहायता के अंतर्गत, अब तक ₹1,34,782 संस्वीकृत किए गए हैं और ₹78,855 करोड़ संवितरित किए गए हैं।

- **<u>प्रबंधन टिप्पणियां</u>**

- **श्री आर.एस. ढिल्लों, सीएमडी के रिमार्क्स** - पीएफसी के सीएमडी ने टिप्पणी की कि वर्ष के दौरान कई विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद मैं अपने वित्तीय वर्ष 21 के परिणामों से बेहद खुश हूं। वित्तीय वर्ष 21 में प्रभावशाली कार्य-निष्पादन जैसा कि अब तक के उच्चतम लाभ से स्पष्ट है, प्रतिकूल आर्थिक घटनाओं से निपटने में पीएफसी की अंतर्निहित ताकत को रेखांकित करता है। आगे भी, हम अपने शेयरधारकों को दीर्घकालिक मूल्य देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- **श्रीमती परमिंदर चोपड़ा, निदेशक (वित्त) के रिमार्क्स** - पीएफसी के निदेशक (वित्त) ने टिप्पणी की कि मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि पीएफसी कोविड महामारी के बावजूद वित्त वर्ष 21 की प्रत्येक तिमाही में लाभप्रद बना हुआ है। अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण वर्ष में भी, पीएफसी ने उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं और एक मजबूत बैलेंस शीट के साथ अच्छी तरह से पूंजीकृत, अच्छी तरह से प्रावधानित और अत्यधिक तरल बना हुआ है। पीएफसी के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों को देखते हुए, हम भविष्य में भी ऐसा प्रदर्शन देने के लिए आशावादी बने हुए हैं।